

उत्तराखण्ड शासन  
कार्मिक अनुभाग-2  
संख्या 1674/XXX(2)/2010  
देहरादून: दिनांक: 23.11.2010

दिनांक 05 अक्टूबर, 2010 को प्रख्यापित "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक पदोन्नति के लिए अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण नियमावली 2010" की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. समस्त प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. समस्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. सचिव श्रीराज्यपाल, उत्तराखण्ड।
4. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
6. सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड।
7. सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, हरिद्वार।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
9. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रूढ़की (हरिद्वार) को नियमावली की प्रति संलग्न करते हुए इस निवेदन के साथ प्रेषित कि कृपया नियमावली को विधायी परिशिष्ट भाग-4 में मुद्रित करा कर इसकी 200 प्रतियाँ कार्मिक अनुभाग-2 को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,  
(अरविन्द सिंह ह्यांकी)  
अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन  
कार्मिक अनुभाग-2  
संख्या 1674/XXX(2)/2010  
देहरादून:दिनांक 23 नवम्बर, 2010  
**अधिसूचना**  
**प्रकीर्ण**

राज्यपाल, "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

**उत्तराखण्ड सरकारी सेवक पदोन्नति के लिए अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण नियमावली, 2010**

संक्षिप्त नाम प्रारम्भ और लागू होना

1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड सरकारी सेवक पदोन्नति के लिए अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण नियमावली 2010 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

(3) यह संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा राज्यपाल के नियम बनाने की प्रदत्त शक्तियों के अधीन किसी पद या सेवा में चयन द्वारा पदोन्नति के लिए लागू होगी।

अध्यारोही प्रभाव

2. यह नियमावली, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल द्वारा बनायी गयी किसी अन्य सेवा नियमावली या तत्समय प्रवृत्त आदेशों में दी गयी किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी प्रभावी होगी।

परिभाषायें

3. जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस नियमावली में-

(क) 'संविधान' से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;

(ख) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड का राज्यपाल अभिप्रेत है;

(ग) 'सरकार' से उत्तराखण्ड की राज्य सरकार अभिप्रेत है; और

(घ) 'पद' या 'सेवा' से संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा राज्यपाल के नियम बनाने की प्रदत्त शक्तियों के अधीन कोई पद या सेवा अभिप्रेत है।


अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण

4. यदि कोई पद पदोन्नति द्वारा भरा जाता है और ऐसी पदोन्नति के लिए, यथास्थिति, निम्नतर पद या पदों पर कोई निश्चित न्यूनतम सेवा अवधि विहित हो और पात्रता के क्षेत्र में अपेक्षित संख्या में पात्र व्यक्ति उपलब्ध न हो तो सरकार के प्रशासनिक विभाग, सरकार के कार्मिक विभाग के परामर्श से यथास्थिति उक्त निम्नतर पद या पदों पर यथा निर्धारित परिवीक्षा अवधि को छोड़कर, ऐसी विहित न्यूनतम सेवा अवधि में पचास प्रतिशत तक यथोचित रूप से शिथिलीकरण कर सकते हैं;

परन्तु यह कि किसी कार्मिक को पदोन्नति के लिए अर्हकारी

सेवा में शिथिलता पूरे सेवाकाल में केवल एक बार के लिए अनुमन्य होगी;

परन्तु यह और कि पदोन्नति हेतु निर्धारित सेवा अवधि में शिथिलता का लाभ पूर्व में जिन कार्मिकों को अनुमन्य हो चुका हो उसे पुनः उक्त लाभ अनुमन्य नहीं होगा।

  
(दिलीप कुमार कोटिया)  
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1674 /XXX(2)/2010, dated 23.11.2010 for general information.

Government of Uttarakhand

Personnel Section-2

No. 1674 /XXX(2)/2010

Dehradun: Dated 23.11.2010

### **Notification**

### **Miscellaneous**

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the 'Constitution of India', the Governor is pleased to make the following rules:-

#### **The Uttarakhand Government Servants Relaxation in Qualifying Service for Promotion Rules, 2010**

**Short title**

**commencement and application**

1. (1) These rules may be called the Uttarakhand Government Servants Relaxation in Qualifying Service for Promotion Rules, 2010
- (2) They shall come into force at once
- (3) They shall apply to the promotion by selection to a post or service under the rule making powers of the Governor, conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution.

**Overriding effect**

2. These rules shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any other service rules made by the Governor under the proviso to Article 309 of the Constitution, or orders for the time being in force.

**Definitions.**

3. Unless there is anything repugnant in the subject or context-
  - (a) Constitution means the Constitution of India;
  - (b) Governor means the Governor of Uttarakhand;
  - (c) Government means the State Government of Uttarakhand;
  - (d) Post or service means a post or service under the rule making powers of the Governor conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution




**Relaxation in Qualifying service.**

4. In case a post is filled by promotion and for such promotion a certain minimum length of service is prescribed on the lower post or posts, as the case may be, and the required number of eligible persons are not available in the field of eligibility, such prescribed minimum length of service may be suitably relaxed up to fifty percent by the Administrative Department in consultation with the Personnel Department of the Government, excluding the period of probation as laid down for the said lower post or posts, as the case may be;

Provided that relaxation in prescribed qualifying service for promotion will be allowed once in entire service tenure of any employee;

Provided further that the employees, who have availed the benefit of relaxation of prescribed qualifying service for promotion earlier, shall not be entitled for such benefit again.

  
(Dilip Kumar Kotia)  
Principal Secretary.